खबर संक्षेप

साइंस कॉलेज में भूतपूर्व विद्यार्थियों को दी विदाई

पांढुर्णा। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय पांढुर्ना में भौतिक शास्त्र विभाग द्वारा सत्र 2023-25 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करनेवाले विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। इस परीक्षा में निकेश जसुतकर को प्रथम, साक्षी वानखडे को द्वितीय तथा टीना उघाडे को तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। साथ ही वर्तमान में अध्ययनरत पीजी विद्यार्थियों द्वारा अपने सीनियर साथियों को भावभीनी विदाई दी गई। इस दौरान विभाग द्वारा संचालित स्टूडेंट चैप्टर "फिजिक्स सोसायटी" का नाम परिवर्तन कर "क्वांटम" रखा गया तथा सत्र 2025-26 की कार्यकारिणी का गठन किया गया।

इस अवसर पर आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. ललिता धुर्वे व भौतिक शास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. डीएस बिसेन ने उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधित कर उचित मार्गदर्शन दिया। इस समारोह का संचालन कु. आयुषी तीव्हन ने किया। इस कार्यक्रम में जिनिशा साठोने अल्फिया नाज, सादिया मंसूरी, अल्फिया अहमद एवं राकेश चटप का सहयोग रहा। कार्यक्रम में भौतिक शास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ. विवेक कुमार सोनवाने, डॉ. अनिल कुमार पिंपलकर, डॉ. ए. मंसूरी एवं अन्य उपस्थित रहे।

लॉ कॉलेज में मनाया गया राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस

छिंदवाड़ा। शासकीय विधि महाविद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य डॉ कमलाकर मोटघरे के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद मार्गदर्शन योजना प्रकोष्ठ की संयोजक डॉ दमयंती कटरे द्वारा एनआईटीटीटीआर अहमदाबाद से ट्रेनिंग प्राप्त करने के उपरांत स्टार्टअप दिवस के अवसर पर विषय विशेषज्ञ के रूप में उद्यमिता और कौशल विकास पर आयोजित कार्यक्रम में प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में विषय विशेषज्ञ डॉ दमयंती कटरे ने कहा कि गुजरात मे नौकरी से ज़्यादा स्वयं के व्यवसाय पर जोर दिया जाता है वहाँ बचपन में सिखाया जाता है की कोई भी काम छोटा नहीं होता है। निजीकरण के दौर मे नौकरी बहुत ही कम हो गए है तो एक मात्र विकल्प स्टार्टअप ही है। साथ ही बताया की स्टार्टअप कौन शुरू कर सकता है एक अच्छे उद्यमी के क्या गुण होने चाहिए और आईडिया जनरेशन की तकनीक, स्कैम्पर मेथड इन सभी के बारे मे विस्तृत चर्चा की।

कलेक्टर एवं एसडीएम से गुहार, पुलिस सुरक्षा की मांग

शाह कॉम्पलेक्स के दुकानदारों में दहशत, आधी रात दुकानें ढहाने की आशंका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पांढुर्णा

पुलिस थाना पांढुर्णा के ठीक सामने मेन रोड पर स्थित शाह कॉम्पलेक्स के पांच पुराने दुकानदारों ने कॉम्पलेक्स को ढहाए जाने की संभावित कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग को लेकर कलेक्टर कार्यालय, एसडीएम कार्यालय एवं नगरपालिका में ज्ञापन सौंपा है। दुकानदारों का कहना है कि 15 जनवरी को ज्ञापन देने के बावजूद 16 जनवरी तक प्रशासन की ओर से कोई ठोस राहत नहीं मिली है, जिससे उनमें भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। दुकानदारों के अनुसार शुक्रवार को भी शाह कॉम्पलेक्स की पहली और दूसरी मंजिल से सामग्री हटाने का कार्य जारी रहा तथा ऊपरी मंजिल के कवेलुओं को मजदूरों के माध्यम से हटाया जा रहा है। इससे आशंका और गहराती जा रही है कि नए पट्टाधारक प्रभावशाली लोग किसी भी समय, विशेषकर आधी रात के बाद, जेसीबी मशीन लगाकर भवन को धराशायी कर सकते हैं। गौरतलब है कि शाह कॉम्पलेक्स में गुरूनानक वार्ड निवासी सतीश कालड़ा, रविदास वार्ड निवासी रवि खुबेले, सुभाष वार्ड निवासी अनीश कुमार मेहता, गुरूनानक वार्ड निवासी अनिल कालड़ा तथा रानी दुर्गावती वार्ड निवासी भारत नागपाल की दुकानें पिछले 40-50 वर्षों से संचालित हैं। इन दुकानों के माध्यम से कई परिवारों की आजीविका जुड़ी हुई है।

अब तक नहीं मिली राहत

दुकानदारों का कहना है कि 10 सितंबर 2013 को अनुविभागीय अधिकारी के आदेश पर हुई पंचनामा कार्रवाई में किराएदारों का कब्जा पाया गया था, इसके बावजूद पट्टे के नविनीकरण के दौरान इस तथ्य को उजागर नहीं किया गया। किराएदारों के साथ हो रही कथित अन्यायपूर्ण कार्रवाई को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा गया है, परंतु फिलहाल पीड़ित पक्ष को किसी भी स्तर से राहत नहीं मिल पाई है।

दुकानदारों में डर का माहौल

इलेक्ट्रॉनिक व्यवसायी जुगल नागपाल ने आशंका जताई कि रात्रि में कभी भी भवन ढहाकर किराएदारों की आवाज दबाने की कोशिश की जा सकती है। उनका कहना है कि "जब दुकान ही नहीं रहेगी तो किराएदार अपनी बात किस आधार पर रखेगा।"

रात्रि में पुलिस सुरक्षा की मांग

दुकानदार अनीश मेहता और जुगल नागपाल ने किसी भी अनहोनी से बचने के लिए रात्रि के समय शाह कॉम्पलेक्स में पुलिस बल तैनात करने की मांग की है। अनीश मेहता ने बताया कि उनकी स्टील के बर्तनों की दुकान पिछले चारदृपांच दशकों से यहां संचालित है। इसी प्रकार रवि खुबेले की शू शॉप, सतीश कालड़ा की जनरल स्टोर्स तथा अनिल कालड़ा की अनाज की दुकान भी वर्षों पुरानी हैं।

नजूल पट्टाधारक का नाम बताने से इनकार

दुकानदारों ने बताया कि शाह कॉम्पलेक्स जिस नजूल भूमि पर बना है, वह पहले शाह परिवार के नाम दर्ज थी। 28 अक्टूबर 2025 को इस नजूल पट्टे का नविनीकरण किसी अन्य के नाम पर किया गया, जिसका पंजीयन क्रमांक एमपी54आईजीआर17082025ए10096699 है। वर्तमान पट्टाधारक का नाम जानने के लिए जब राजस्व निरीक्षक लीला भालेकर से संपर्क किया गया तो उन्होंने जानकारी देने से इनकार करते हुए लिखित आवेदन देने को कहा। ऐसा प्रतीत होता है कि अधिकारियों पर पट्टाधारक का मौखिक रूप से उजागर ना किए जाने के लिए भी कोई दबाव कार्य कर रहा है।

जहरीली मिठाई के पीड़ितों की मदद के लिए आगे आए सांसद साहू

हर जरूरतमंद लोगों की मदद कर रहे सांसद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

हर जरूरतमंद लोगों के सहयोग के लिए हर दम तैयार रहने वाले संवेदनशील सांसद बंटी विवेक साहू ने एक बार फिर संवेदनशीलता का परिचय देते हुए जुन्नारदेव में जहरीली मिठाई खाने के बाद बीमार हुए लोगों की मदद के लिए आगे आए है। सांसद बंटी विवेक साहू द्वारा इस घटना में पीड़ित लोगों को लगातार सहायता प्रदान की जा रही है। पीड़ितों के हर संभव इलाज की व्यवस्था सांसद श्री साहू द्वारा की जा रही है। इसी के तहत सांसद श्री साहू ने दो पीड़ितों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के माध्यम से जहां 90 हजार की राशि स्वीकृत कराई हैं वहीं इस घटना में मृत हुए लोगों के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए प्रत्येक मृतक को 20-20 हजार की व्यक्तिगत सहायता राशि भी प्रदान की है।

उल्लेखनीय है कि सांसद बंटी विवेक साहू जुन्नारदेव में जहरीली मिठाई की घटना के पहले दिन से ही पीड़ितों की हर संभव मदद के लिए लगे हुए है।घटना की जानकारी मिलते ही उन्होंने तत्काल ही कलेक्टर और सीएमएचओ को फोन करते हुए पीड़ितों के हर संभव बेहतर इलाज के लिए कहा था।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से संपर्क करते हुए पीड़ितों के लिए सहायता राशि उपलब्ध कराने का भी निवेदन किया था। जिसके तहत ही पीड़ितों को सहायता राशि स्वीकृत हुई है। सांसद श्री साहू के निवेदन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जहरीली मिठाई से पीड़ित जुन्नारदेव के वार्ड नंबर 02 निवासी श्रीमती संतोषी पति मुकेश कथुरिया को 40 हजार, सुश्री खुशबू पिता मुकेश कथूरिया को 40 हजार की राशि दिलाई दी है वहीं कुण्डाली खुर्द निवासी राहुल पिता रामदयाल बट्टी को 60 हजार एवं अमरवाड़ा के वार्ड क्रमांक 03 निवासी रफीक पिता लाल मोहम्मद को 50 हजार की आर्थिक सहायता दी है। गौरतलब है कि सांसद बंटी विवेक साहू से उनके सांसद कार्यालय एवं जिले के प्रवास के दौरान कई लोगों द्वारा आर्थिक सहायता के लिए निवेदन किया जा रहा है।

मुंबई महानगर पालिक की जीत पर भाजपा कार्यालय में जश्न, आतिशबाजी कर मनाई खुशियां

छिंदवाड़ा। मुंबई महानगर पालिक में ₹कमल₹ खिलने पर जिला भाजपा कार्यालय में जश्न का माहौल रहा। जिला भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी के साथ एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। मुंबई महानगर पालिक चुनाव परिणाम आने पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा कि कांग्रेस जनाधार खो चुकी है। मुंबई महानगर पालिक जीत पर भाजपा जिलाध्यक्ष शेषराव यादव ने कहा मुंबई महानगर पालिक में भाजपा को मिली इस अभूतपूर्व विजय के लिए सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं तथा मुंबई महानगर पालिक क्षेत्र के भाई–बहनों को भाजपा को दिए इस विजयी आशीर्वाद के लिए हृदय से आभार व्यक्त करता हूं। इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री विजय पांडे, कमलेश उइके, भारत घई, धर्मेन्द्र मिगलानी, विजेन्द्र चौहान, दिन्शु यादव, संजीव रंगू यादव, प्रमोद शर्मा, लोकेश डेहरिया, राकेश माइकल पहाड़े, अरूण गद्रे, कृपाशंकर सूर्यवंशी, विजय नामदेव, जुगल यादव, कुबेर सूर्यवंशी शैलेन्द्र, गोपाल यदुवंशी, दीपक कोल्हे, खुशनयन सूर्यवंशी, दीपक कोल्हे, रूपेश कैथवास, तरूण सोनी, निन्ना शुक्ला सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5200 कि.ग्रा. महुआ लहान व 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा की गई बरामद

आबकारी दल की होटल ढाबों सहित कच्ची शराब के अड्डों पर छापेमार कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

कलेक्टर हरेंद्र नारायन के निर्देशानुसार सहायक आबकारी आयुक्त बी.आर.वैद्य के मार्गदर्शन में जिले के आबकारी अमले द्वारा आज प्रातः के समय वृत्त प्रभारी आकाश मेश्राम के नेतृत्व में सोमाढाना में जंगल के अंदर बहने वाले नाले के किनारे छुपाकर प्लास्टिक के विभिन्न ड्रमों और प्लास्टिक की पन्नियों में अनेक स्थानों पर छुपाकर रखे हुए महुआ लहान को आबकारी विभाग के दल द्वारा ढूंढ़कर विधिवत नष्ट किया गया। इसी स्थान पर चालू भट्टी भी चढ़ी हुई मिली, जिसे तोड़ दिया गया।

इसके बाद ग्राम रोहनाखुर्द में जंगल के अंदर बहने वाले नाले के किनारे प्लास्टिक के ड्रम और पन्नियों में भरे महुआ लहान को टीम ने ढूंढा और उन्हें निकालकर विधिवत नष्ट किया गया। अंत में ग्राम गंगई में डैम के किनारे पानी में दबाकर रखी गई प्लास्टिक की पन्नियों में भरे महुआ लहान को ढूंढकर विधिवत नष्ट किया गया। इस दौरान मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की 1915 धारा 34 के तहत कुल 09 प्रकरण दर्ज कर 5200 किलोग्राम महुआ लहान नष्ट किया गया। साथ ही 40 लीटर हाथ भट्टी मदिरा आबकारी द्वारा कब्जे में ली गई।

इसी तरह गुरुवार की रात्रि में भी शहर के आबकारी अमले द्वारा विभिन्न होटल ढाबों में दबिश दी गई जहां मदिरा पीने और पिलाने वालों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। चाचा का ढाबा, हॉट फूड ढाबा, पाल पानीपुरी एवं शुक्ला ढाबा में कार्यवाही कर कुल 3.24 बल्क लीटर स्प्रिट एवं 3 बल्क लीटर बीयर बरामद कर मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 36 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

सांप के काटने से बचाव एवं प्राथमिक उपचार पर जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित

छिंदवाड़ा। कलेक्टर हरेंद्र नारायन की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में सांप के काटने से बचाव एवं प्राथमिक उपचार विषय पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्नेकबाइट हीलिंग एंड एजुकेशन सोसाइटी की अध्यक्ष एवं संस्थापक सुश्री प्रियंका कदम के सहयोग से संपन्न हुई। कार्यशाला में सीईओ जिला पंचायत श्री अग्रिम कुमार एवं अपर कलेक्टर धीरेन्द्र सिंह सहित जिला प्रशासन के सभी अधिकारियों के साथ ही फील्ड के अधिकारियों में सभी

एसडीएम, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, तहसीलदार एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी परियोजना अधिकारी भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सुश्री प्रियंका कदम द्वारा सांपों के प्रकार, उनकी प्रकृति, चिन्हांकन, सांप के काटने की स्थिति में त्वरित एवं सही प्राथमिक उपचार, मिथकों से बचाव तथा वैज्ञानिक तरीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। जमीनी स्तर पर मौजूद चुनौतियों और सर्पदंश से मृत्यु एवं विकलांगता की संख्या कम करने के लिए उठाए जा सकने वाले कदमों पर विचार-विमर्श किया गया।कार्यशाला में बताया गया कि किस तरह पूर्व सावधानी बरतने पर सर्पदंश की घटनाओं को काफी हद तक कम किया जा सकता है और समय पर सही उपचार से सर्पदंश से होने वाली जनहानि को काफी हद तक रोका जा सकता है।कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों का इस विषय में जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है, ताकि वे ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में जनसामान्य को सही मार्गदर्शन प्रदान कर सकें।

खिड़की कनेरी के प्रभारी प्राचार्य को हटाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जुन्नारदेव

शाला नहीं आने और मनमानी करने के लगे थे आरोप

गुरुवार को शासकीय हाई स्कूल खिड़की कनेरी संकुल केंद्र घानाउमरी में प्रभारी प्राचार्य बलदेव सिंह देवड़े के विरुद्ध स्कूल में अध्यनरत छात्रों की शिकायत के आधार पर संकुल प्राचार्य घानाउमरी मनोज कुमार दोहरे द्वारा स्कूल का निरीक्षण किया गया जहां पर स्कूल का चपरासी प्रार्थना करता मिला।

इस दौरान ना तो प्रभारी प्राचार्य उपस्थित थे और न हीं अतिथि शिक्षक संकुल प्राचार्य द्वारा प्रतिवेदन विकासखंड शिक्षा अधिकारी को प्रस्तुत किया गया था जिसके आधार पर कार्यालय कलेक्टर जनजाति कार्य विभाग को पत्र प्रेषित किया गया था जिसके आधार पर शुक्रवार को कार्यालय कलेक्टर जनजाति कार्य विभाग छिंदवाड़ा द्वारा आदेश जारी कर खिड़की कनेरी के प्रभारी प्राचार्य बलदेव सिंह देवड़े को उनके मूल पद स्थापना माध्यमिक शाला सातग्वारी में पुनः पदस्थ किया गया है।

कार्यालय कलेक्टर जनजाति कार्य विभाग के आदेश अनुसार संबंधित प्रभारी प्राचार्य को पद से हटाकर उनकी मूल पद स्थापना सातग्वारी में पदस्थ किया गया है। इनके कार्यकाल की दल बनाकर जांच की जाएगी। कमियां मिलने पर कार्यवाही की जाएगी।

श्रांत चंदेल बने श्री रामलीला के मुख्य निर्देशक

अयोध्या एवं जबलपुर में सफल मंचन के बाद सम्मान समारोह हुआ कलाकारों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

अयोध्या एवं जबलपुर में आयोजित रामलीला कार्यक्रमों की ऐतिहासिक सफलता के उपरांत स्थानीय श्री राम मंदिर परिसर में श्री रामलीला मंडल छिंदवाड़ा द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों आयोजनों में सहभागी रहे सभी कलाकारों को समिति के पदाधिकारियों एवं संरक्षकगणों के करकमलों से प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

समारोह का वातावरण गौरव, आत्मीयता और सांस्कृतिक गरिमा से परिपूर्ण रहा। सम्मान समारोह के पश्चात मंडल के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। श्री रामलीला मंडल के अध्यक्ष अरविंद राजपूत ने बताया कि वर्तमान में मुख्य निर्देशक के रूप में अपनी सेवाएं देने वाले पंडित वीरेंद्र शुक्ल का कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत उन्होंने स्वयं आगामी कार्यकाल के लिए श्रांत चंदेल का नाम मुख्य निर्देशक पद हेतु प्रस्तावित किया। इस प्रस्ताव को समिति के पदाधिकारियों, संरक्षकगणों एवं सदस्यों द्वारा सर्वसम्मिति से स्वीकार किया गया, जिसके पश्चात श्रांत चंदेल को आधिकारिक रूप से श्री रामलीला मंडल छिंदवाड़ा का नया मुख्य निर्देशक घोषित किया गया। श्रांत चंदेल का श्री रामलीला मंडल छिंदवाड़ा से जुड़ाव अत्यंत दीर्घ और समर्पणपूर्ण रहा है। उन्होंने मात्र बारह वर्ष की आयु में मंडल से जुड़कर अपनी सेवाओं की शुरुआत की थी और आज उन्हें इस संस्था से जुड़े हुए इक्कीस वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने अपने रंगमंचीय सफर की शुरुआत राजा राक्षस देवता के पात्र से की और इसके पश्चात श्रीरामलीला के अनेक महत्वपूर्ण एवं विविध चरित्रों का प्रभावी अभिनय किया। अपने अभिनय जीवन में उन्होंने अहिल्या, काल, अग्निदेव, विश्वामित्र, वशिष्ठ, देवांगना, राजा, कैकेयी, कौशल्या, मंथरा, इंद्र, मारीच, राजकुमार, सरस्वती, लंकनी, स्वरूपनखा, शबरी, भरत एवं दशरथ जैसे चुनौतीपूर्ण और वैविध्यपूर्ण पात्रों को जीवंत रूप प्रदान किया है। वर्तमान में वे दशरथ की भूमिका निभा रहे हैं, जिसमें उनका संयमित, करुण और प्रभावशाली अभिनय विशेष रूप से सराहा जा रहा है। समिति पदाधिकारियों एवं संरक्षकगणों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रांत चंदेल के अनुभव, बहुआयामी अभिनय क्षमता और संगठनात्मक समझ से श्री रामलीला मंडल छिंदवाड़ा की परंपरा और अधिक सशक्त होगी।

वरिष्ठ साहित्यकार स्व. केशरी चंद चंदेल की स्मृति में नगर में होगा पार्क का नामकरण

अक्षत स्मृति सम्मान समारोह में महापौर ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

जिले की प्रतिष्ठित संस्था अक्षत सम्मान समारोह समिति द्वारा प्रतिवर्ष जिले में साहित्य, संगीत, कला को समर्पित विभूतियों का सम्मान समारोह वरिष्ठ साहित्यकार स्व. केशरीचंद चंदेल अक्षत जी की स्मृति में आयोजित किया गया, यह वर्ष आयोजन का 17वा वर्ष था।

इस संदर्भ में अधिक जानकारी देते हुए समिति के राकेश राज ने बताया कि उक्त आयोजित कार्यक्रम में देश की ख्यातिलब्ध क्षेत्र विशेष से जुड़ी विभूतियों का सम्मान समिति द्वारा किया गया एवं संगीत संध्या आयोजित हुई। मुख्य समारोह छिंदवाड़ा पांढुर्णा ज़िले के सांसद श्री विवेक बंटी साहू जी के मुख्य आतिथ्य, महापौर विक्रम अहके जी, भाजपा जिला महामंत्री विजय पांडे जी के विशिष्ट आतिथ्य सम्पन्न हुआ।

श्री अहके ने श्री अक्षत जी की स्मृतियों को नमन करते हुए शहर के एक पार्क का नामकरण अक्षत जी के नाम पर करने की घोषणा की। सम्मानित विभूतियों में मुंबई से प्रसिद्ध संगीत निर्देशक डॉ श्री संजयराज गौरीनंदन उपस्थित होंगे जिन्हें अक्षत स्मृति सृजन शिरोमणि सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। वहीं राजधानी भोपाल से प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ सुधीर आज़ाद उपस्थित होंगे जिन्हें अक्षत स्मृति गौरव सम्मान प्रदान किया जावेगा।

वरिष्ठ पत्रकार कुलभूषण सक्सेना जी को अक्षत स्मृति कलमकार सम्मान, जिले के वरिष्ठ साहित्यकार एवं मोटिवेशनल स्पीकर डॉ अमरसिंह जी को अक्षत स्मृति साहित्य रत्न सम्मान, सीनियर एनीमेशन आर्टिस्ट डॉ शांतनु पाठक जी को अक्षत स्मृति ललित कला रत्न सम्मान, वरिष्ठ संगीत गुरू श्री नंदलाल सिंह रघुवंशी जी को अक्षत स्मृति संगीत रत्न सम्मान से सम्मानित किया गया।

बड़ी संख्या में जिले के संगीत कला प्रेमी साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। अक्षत सम्मान समारोह समिति की ओर से अवधेश तिवारी जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए श्री अक्षत जी की स्मृतियों को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नीलम पवार ने किया। विश्वेश चंदेल, जयेश चंदेल ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

ढोल-नगाड़ों और फूलों की बारिश से गूंजा बोरगांव क्षेत्र

आईपीएल में चयन के बाद बोरगांव के लाल मंगेश का हुआ जोरदार स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सौंसर

कहते हैं जब मेहनत रंग लाती है, तो मंजर देखने लायक होता है। कुछ ऐसा ही नजारा शुक्रवार को सौसर और बोरगांव के बीच देखने को मिला। आईपीएल आईपीएल के लिए चयनित होने के बाद युवा क्रिकेटर मंगेश यादव का प्रथम आगमन बोरगांव क्षेत्र में किसी उत्सव से कम नहीं था। नागपुर से लेकर बोरगांव तक के पूरे रास्ते में मंगेश के स्वागत में जनसैलाब उमड़ पड़ा।

नागपुर से बोरगांव तक 'विजय यात्रा'मंगेश यादव के बोरगांव पहुंचने तक जगह-जगह खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने उनका स्वागत किया। डीजे की धुन, आतिशबाजी और फूलों की वर्षा के बीच एक विशाल रैली निकाली गई। युवाओं का जोश सातवें आसमान पर था, जो अपने स्थानीय सितारे की एक झलक पाने और उसे बधाई देने के लिए बेताब दिखे। इस दौरान साथ नूर बॉर्डर से लेकर तो बोरगांव तक विभिन्न सामाजिक धार्मिक सांस्कृतिक संस्थाओं की ओर से भी मंगेश का स्वागत सत्कार किया गया।

खुशी के आंसू लेकर मां ने उतारी मंगेश की नजर

जैसे ही मंगेश अपने निवास स्थान बोरगांव पहुंचे, वहां का दृश्य भावुक कर देने वाला था। घर की चौखट पर मां ने आरती उतारकर और तिलक लगाकर अपने लाड़ले का स्वागत किया। भारतीय परंपरा के अनुसार मां ने बेटे की नजर उतारी, जो खेल के मैदान से मिली इस बड़ी सफलता के बाद एक गौरवपूर्ण पल था। इस भव्य स्वागत रैली में विधायक विजय चौरे,सरपंच पंकज दांतारकर भी विशेष रूप से शामिल हुए। उन्होंने मंगेश की सफलता को पूरे क्षेत्र का गौरव बताया और उनके उज्जवल भविष्य के लिए मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी। बधाई रैली में सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण और प्रबुद्ध जन मंगेश का उत्साहवर्धन करने पहुंचे। अपनी सफलता का श्रेय ईश्वर ओर परिजनों को देते हुए मंगेश यादव ने बोरगांव पहुंचने पर ग्राम के विभिन्न मंदिरों में दर्शन किए। उन्होंने भगवान का आशीर्वाद लिया और क्षेत्र की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया,जिन्होंने उनके संघर्ष के दिनों से लेकर आज की सफलता तक उनकाचर्चा के दौरान खिलाड़ी मंगेश यादव ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र वासियों एवं सभी शुभचिन तो को से मिले आशीर्वाद और प्रेम की वजह से मैं यहां तक पहुंच पाया हुयह केवल मेरी जीत नहीं, बल्कि पूरे बोरगांव और सौसर क्षेत्र के प्यार और दुआओं का परिणाम है, मैं सभी सहयोगियों का दिल से आभार व्यक्त करता हूं।

अनुभूति कार्यक्रम का किया गया आयोजन, वन पर्यावरण ईको सिस्टम के बारे में दी जानकारी

भमोड़ी के 120 बच्चों ने वन्यप्राणियों के बारे में जाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ परासिया

ईको टूरिज्म बोर्ड म प्र भोपाल के सौजन्य से वन परिक्षेत्र परासिया के मंधान डैम में अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन अलका भूरिया वन परिक्षेत्र अधिकारी परासिया की उपस्थिति मे किया गया जिसमें मास्टर ट्रेनर जेपी शिवहरे सेवा निवृत सहायक वन संरक्षक के द्वारा शा हाई स्कूल डोरली एवं माध्यमिक शाला भमोडी के 120 बच्चों को वन का भ्रमण कराया गया एवं वन पर्यावरण ईको सिस्टम के बारे में बताया गया।

इस वर्ष की थीम थी हम है धरती के दूत के साथ विगत वर्ष की विभिन्न थीमों के बारे में बताया गया जैसे मिशन लाइफ, मैं भी बाघ, हम है बदलाव के महत्व को बताया गया। बच्चों को वर्षा जल, जल ग्रहण क्षेत्र, पर्यावरण के लिए वृक्षों का महत्व भूमि कटाव रोकने में वृक्षों का योगदान मृदा संरक्षण में सूक्ष्म जीवों क्या योगदान होता है बताया गया। प्रकृति संरक्षण में बच्चे का विशेष योगदान हो सकता है क्योंकि आने वाली जो पीढ़ी है वह बच्चों के द्वारा संवहनीय तरीके हो सकेगी कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा बहुत ही रुचि पूर्वक सहभागिता किया गया एवं भ्रमण के पश्चात बच्चों को वन भोज कराया गया। बच्चों से प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, निबंध, क्ले आर्ट, जैसे प्रतियोगिता कराया गया जिसमें बच्चों के द्वारा बहुत ही सुन्दर तरीके से वन एवं पर्यावरण से संबंधित कला कृति बनाई गई। कार्यक्रम के पश्चात प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी बच्चों को प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया ।

18 वें वर्ष में आयोजित करने जा रहा जिला स्तरीय टूर्नामेंट

परासिया। टाईम्स स्पोर्ट्स एकेडमी बड़कुही के सतत प्रयास से प्रतिवर्ष अनुसार 25 जनवरी 2026 मे नेहरु क्रिकेट स्टेडियम बड़कुही मे व्हाईट लेदर बॉल कलर यूनिफार्म टर्फ विकेट टी 20 क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जिसको लेकर परासिया विधानसभा के क्रिकेट प्रेमियों के मन में अलग ही उत्साह देखने को मिल रहा है। इस आयोजन को लेकर आयोजक समिति की तैयारियां पूर्ण हो चुकी है। अपने टूर्नामेंट को लेकर प्रचार प्रसार भी जोरों से किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट के आयोजन में आयोजन समिति द्वारा बताया गया कि प्रत्येक टूर्नामेंट में क्षेत्र के ख्याति प्राप्त एवं सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित किया जाएगा और विजेता टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। इस क्रिकेट टूर्नामेंट में प्रथम पुरस्कार 51000 द्वितीय पुरस्कार 31000 रुपए घोषित किया गया है। क्रिकेट टूर्नामेंट की तैयारी को देखकर लग रहा है कि इस T20 क्रिकेट टूर्नामेंट का बड़कुही नगर के अंदर भव्य आयोजन होगा जिसमें जिले की कई बड़ी बड़ी टीमें आने की संभावना है।प्रतियोगिता का शुभारंभ 25 जनवरी दिन रविवार को प्रातः 9:00 बजे से पहला मैच खेला जाएगा। इस प्रतियोगिता में प्रतिदिन दो मैच खेले जाएंगे प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच बेस्ट बॉलर और बेस्ट बेस्टमैन जैसे पुरस्कारों का वितरण प्रतिदिन किया जाएगा। आयोजन समिति द्वारा निर्धारित मैच की रूपरेखा के आधार पर 5 जनवरी 2026 को नेहरू स्टेडियम बड़कुई में फाइनल खेला जाएगा। जिसमें विजेता टीम को 51 हजार रुपए नगद राशि एवं ट्राफी पुरस्कृत की जाएगी और उपविजेता टीम को 31 हजार रुपए नगद राशि एवं ट्राफी पुरस्कृत की जाएगी और अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार भी सा सम्मान दिया जाएगा।

सौंसर पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

सौंसर। शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत सौसर पब्लिक स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभाकर लुडेकर,जानरावजी आकोटकर,राजेन्द्र निमकर, सदाशिव खंडाईत, मोना करवन्दे, आशिष ठाकरे, मारोतराव बुले,योगीता ठाकरे, पब्लिक स्कूल संचालक नरेश आकोटकर, तनुजा पालीवाल आदि थे। विज्ञान प्रदर्शनी में कक्षा 5वीं से 8वीं तक के 132 छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। जिंसमे पानी बचाने, प्रदूषण रोकने, सोलर एनर्जी से लेकर पर्यावरण बचाने के अनूठे आइडियाज तक, यहाँ सब कुछ था, आयोजन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा की बड़े हर्ष का विषय है कि बच्चे अब किताबों के साथ निकलकर मॉडल और विज्ञान की ओर आ रहे है। आयोजन के दौरान संस्था संचालक नरेश आकोटकर ने बताया कि संस्था के द्वारा अध्यापन कार्य के साथ-साथ बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर वर्ष भर ऐसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विज्ञान प्रदर्शनी में स्कूली छात्रों को बढ़ चढ़ हिस्सा लिया और छात्रों ने अपने हुनर से विज्ञान मॉडल तैयार किया गया है।स्कूल छात्रों को स्पोर्ट्स, साइंस और इनोवेशन के फील्ड में बढ़ावा देने के लिए स्वामी विवेकानंद स्पोर्ट्स और साइंस एग्जिबिशन आयोजित किया गया है। निरीक्षण के दौरान अतिथि गणों के द्वारा बच्चों के द्वारा बनाए गए विभिन्न मॉडल का निरीक्षण करते हुए सवाल जवाब किया जिस पर बच्चों ने तत्परता के साथ उत्तर देते हुए समाधान भी किया गया।

मध्यप्रदेश पंचायत सचिव महासंघ का प्रदेश स्तरीय महासम्मेलन सम्पन्न

छिंदवाड़ा। मध्यप्रदेश पंचायत सचिव महासंघ के बैनर तले शुक्रवार को भोपाल के मेल दशहरा मैदान में आयोजित प्रदेश स्तरीय पंचायत सचिव महासम्मेलन ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न हुआ। महासम्मेलन में प्रदेशभर से हजारों पंचायत सचिवों ने सहभागिता की। छिंदवाड़ा जिले के जुन्नारदेव से भी बड़ी संख्या में पंचायत सचिव भोपाल पहुंचे और संगठन की ताकत का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।महासम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्रामीण विकास में पंचायत सचिवों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। पंचायत सचिव ही वे कड़ी हैं, जो शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि पंचायत सचिव विकास की रीढ़ हैं और उनके बिना पंचायती राज व्यवस्था की कल्पना अधूरी है।मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का स्मरण करते हुए कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और गांवों के विकास से ही देश आगे बढ़ेगा। इसी सोच के साथ राज्य सरकार ने वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष घोषित किया है। इसके अंतर्गत 16 विभागों की योजनाओं का लाभ पंचायत स्तर तक पहुंचाया जाएगा। खाद्य प्रसंस्करण, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं लघु-कुटीर उद्योगों को इससे जोड़ा गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पंचायत सचिवों की भूमिका को हनुमान जी से जोड़ते हुए कहा कि जैसे हनुमान जी भगवान राम और जनता के बीच सेतु थे, वैसे ही पंचायत सचिव सरकार और ग्रामीण जनता के बीच मजबूत सेतु हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सहायता सहित सभी जनकल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन में पंचायत सचिवों का योगदान सराहनीय है। उन्होंने कहा कि सरकार पंचायत सचिवों की सेवा शर्तों और सुविधाओं को लेकर पूरी गंभीरता से कार्य कर रही है। पंचायत सचिवों को मिली बड़ी सौगातमुख्यमंत्री ने पंचायत सचिवों के हित में कई अहम घोषणाएं करते हुए कहा कि पंचायत सचिवों की सेवाकाल आयु सीमा बढ़ाकर 62 वर्ष की गई है।सातवें वेतनमान के आदेश जारी किए जा चुके हैं।पंचायत सचिवों को विशेष भत्ता प्रदान किया जाएगा।सेवाकाल में मृत्यु की स्थिति में दी जाने वाली 1.50 लाख की सहायता राशि अब अनुकंपा नियुक्ति के बाद वापस नहीं ली जाएगी।पंचायत सचिवों के वेतनमान एवं अन्य सेवा शर्तों पर विचार हेतु समिति का गठन किया जाएगा।मंत्री प्रह्लाद पटेल ने बताया जनसेवा का आधारपंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि पंचायत सचिवों का कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि जनसेवा का पवित्र दायित्व है।

खाण्डसिवनी में क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शानदार आयोजन

सौंसर। ग्राम पंचायत खाण्डसिवनी एवं मेंढेपठार में आयोजित भव्य टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का शुक्रवार को गरिमामय शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर और पिच पर बल्ला घुमाकर प्रतियोगिता की विधिवत शुरुआत की। इस दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी गईं। खेल भावना और अनुशासन पर जोरउपस्थित अतिथियों ने अपने संबोधन में जिला भाजपा अध्यक्ष संदीप मोहड़ ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्रों की युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि अनुशासन और टीम वर्क सीखने का माध्यम है। यह प्रतियोगिता क्षेत्र में खेल भावना को बढ़ावा देने का एक सराहनीय प्रयास है। वरिष्ठ जनों की रही गरिमामय उपस्थिति शुभारंभ अवसर पर क्षेत्र के वरिष्ठ नेता मोरेश्वर मर्सकोले, देवेन्द्र गायकवाड़, विनायक मर्सकोले,

विशाल हिंदू सम्मेलन के पूर्व भव्य वाहन रैली का आयोजन आज

जुन्नारदेव। विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित विशाल हिंदू सम्मेलन के पूर्व एक भव्य वाहन रैली का शनिवार 17 जनवरी को किया जा रहा है। वाहन रैली का एकत्रीकरण स्थल सुकरी हनुमान मंदिर है जहां पर प्रात 11:00 बजे वाहन रैली में पहुंचने वाले धर्म प्रेमी उपस्थित होंगे। वाहन रैली सुकरी हनुमान मंदिर से प्रारंभ होकर ग्राम सुकरी का भ्रमण करते हुए श्रीराम तिराहा, वेलफेयर हॉस्पिटल (दातला रोड), सिनेमा रोड, नुक्कड़ चौक, पुरानी बस्ती, चिकलमऊ चौराहा, श्रद्धा लॉन, अंबेडकर चौक, मुखर्जी चौक, गांधी चौक, होते हुए श्रीराम मंदिर में भव्य समापन किया जाएगा।

वनपरिक्षेत्र जामई में किया गया अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन

जुन्नारदेव। ईको टूरिज्म बोर्ड म प्र भोपाल के सौजन्य से पश्चिम वनमंडल छिंदवाड़ा के अंतर्गत वन परिक्षेत्र जामई के ताप्ती कुंड सूरनादेही में शुक्रवार को अनुभूति कार्यक्रम का आयोजन साहिल गर्ग वन मंडल अधिकारी के आदेशानुसार एवं श्रीमती सीमा ठाकुर उप वन मंडल अधिकारी प्रभारी परासिया के निर्देशानुसार में एवं एच एल कोंदर वन परिक्षेत्र अधिकारी जामई की उपस्थिति में आयोजित की गई जिसमें मास्टर ट्रेनर श्री संजय धुर्वे वनपाल के द्वारा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछुआ के 126 बच्चों को वन का भ्रमण कराया गया एवं वन पर्यावरण ईको सिस्टम के बारे में बताया गया जैसे

इस वर्ष की थीम थी हम है धरती के दूत के साथ साथ विगत वर्ष की विभिन्न थीमों के बारे में बताया गया जैसे मिशन लाइफ, मैं भी बाघ, हम है बदलाव के महत्व को बताया गया बच्चों को वर्षा जल, जल ग्रहण क्षेत्र, पर्यावरण के लिए वृक्षों का महत्व भूमि कटाव रोकने में वृक्षों का योगदान मृदा संरक्षण में सूक्ष्म जीवों क्या योगदान होता है बताया गया प्रकृति संरक्षण में बच्चे का विशेष योगदान हो सकता है क्योंकि आने वाली जो पीढ़ी है वह बच्चों के द्वारा संवहनीय तरीके हो सकेगी कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा बहुत ही रुचि पूर्वक सहभागिता किया गया एवं भ्रमण के पश्चात बच्चों को स्वादिष्ट वन भोज कराया गया जिसमें बच्चों को बहुत आनंद आया बच्चों से प्रश्नोत्तरी, चित्रकला, निबंध, क्विज कंपटीशन, जैसे प्रतियोगिता कराया गया जिसमें बच्चों के द्वारा बहुत ही सुन्दर तरीके से वन एवं पर्यावरण से संबंधित कला कृति बनाई गई। कार्यक्रम के पश्चात प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागी बच्चों को प्रथम द्वितीय तृतीय एवं सांत्वना पुरस्कार से बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया । कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि श्रीमती पम्मी परते सरपंच सूरनादेही जगन्नाथ पटेल उप सरपंच सूरनादेही उपस्थित रहे कार्यक्रम में श्री राजेश रघुवंशी प्रिंसिपल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिछु एवं वन विभाग से श्री दिलीप सोनारे उप वन क्षेत्रपाल जामई श्री अमीनुद्धीन खिलजी परिक्षेत्र सहायक जामई श्री चंद्रमोहन मालवीय परिक्षेत्र सहायक बड़कुही एवं अन्य वन कर्मचारी उपस्थित रहे कार्यक्रम के पश्चात एच एल कोंदर वन परिक्षेत्र अधिकारी जामई के द्वारा बच्चों को प्रकृति से संबंधित संबोधन किया गया एवं दिलीप सोनारे उप वन क्षेत्रपाल जामई के द्वारा आभार व्यक्त किया गया । सभी को शपथ ग्रहण करा कर कार्यक्रम संपन्न किया गया।

संकल्प से समाधान अभियान का जुन्नारदेव जनपद में हुआ प्रशिक्षण

जुन्नारदेव : जनपद पंचायत जुन्नारदेव के सभाकक्ष में आयोजित संकल्प से समाधान अभियान की प्रशिक्षण बैठक में पटवारी,सचिव, रोजगार सहायक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता,पीएचई विभाग सहित सभी को इस अभियान से संबंधित सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रशिक्षण दिया गया। एसडीम कामिनी ठाकुर एवं तहसीलदार द्वारा पटवारी को प्रशिक्षण दिया गया। जिससे पटवारी, सचिव रोजगार सहायक किसानों को खाद के लिए आनलाईन पंजीयन कराने के लिए प्रशिक्षण दिया गया। पेयजल सम्बंधित जांच के लिए हर पंचायत में जांच किट देकर पानीं जांच करने की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। सभी तरह की पेंशन, रोजगार गारंटी योजना से मिलने वाली हितग्राही मूलक योजना सहित सभी योजनाओ का लाभ दिलाने के लिए प्रशासनिक अमला कलेक्टर महोदय के निर्देश पर अभियान को पूरा किया जाएगा इसकी जानकारी एसडीम कामिनी ठाकुर एवं सीईओ रश्मि चौहान द्वारा पंचायतवार सभी को जानकारी दी गई है।सभी पंचायतों को इस अभियान के एप की आईडी पासवर्ड व पेयजल जांच किट उपलब्ध कराई गई है। सभी को जन कल्याणकारी योजना का लाभ दिलाने के लिए संकल्प से समाधान अभियान के अंतर्गत 12 जनवरी से 31 मार्च तक तीन चरणों मे पूरा करना है। इसके एक चरण में घर-घर जाकर कार्य किया जाना।

खबर संक्षेप

जिले की 1 लाख 92 हजार 201 लाड़ली बहनों को मिली योजना की 32वीं किश्त

मण्डला। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माखन नगर जिला नर्मदापुरम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान प्रदेश की 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को राशि सिंगल क्लिक के माध्यम से मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरित की। इस दौरान जिले की 1 लाख 92 हजार 201 पात्र लाड़ली बहनों के खातों में 27.94 करोड़ की राशि अंतरित की गई। राज्य स्तरीय इस कार्यक्रम का जिले में सीधा सजीव प्रसारण किया गया, जिसे जिला मुख्यालय सहित जिले के सभी नगरीय निकाय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखा एवं सुना गया। कार्यक्रम में एनआईसी कक्ष मंडला से लाड़ली बहनों ने सहभागिता की। मकर सक्रांति पर्व के अवसर पर लाड़ली बहनों को तिल के लड्डू का वितरण किया गया। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगरपालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, सहायक संचालक रोहित बड़कुल सहित संबंधित उपस्थित रहे।

संयुक्त संचालक ने किया बीजाडांडी के आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

मण्डला। महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त संचालक जबलपुर श्रीमती ऊर्षा सोलंकी ने परियोजना बीजाडांडी के आंगनबाड़ी केन्द्रों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र घुघरी, सोधन पिपरिया, कालपी तथा बीजाडांडी का निरीक्षण किया। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चों का वजन सत्यापन किया। इसके अलावा केन्द्रों में ई.सी.सी.ई. गतिविधि संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी ली। साथ ही किचन गार्डन का अवलोकन किया। केंद्रों में बच्चों को दिए जा रहे नाश्ता और भोजन की गुणवत्ता का परीक्षण भी किया। आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं को 3-6 वर्ष के छूटे हुए बच्चों का पोषण ट्रैकर पर पंजीयन के लिए निर्देशित किया गया। निरीक्षण के समय परियोजना अधिकारी सुश्री मनीषा तिवारी एवं पर्यवेक्षक भी उपस्थित रहीं।

पदस्थ कर्मचारियों को नहीं मिल रही आवासीय सुविधा

एकलव्य में अनधिकृत कब्जे का आरोप

* असुविधा को लेकर जांच की उठी मांग।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

जिले के विकासखंड बिछिया अंतर्गत ग्राम सिझौरा में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय परिसर में कर्मचारियों के लिए शासन द्वारा लगभग 40 आवासों की व्यवस्था की गई है। इन आवासों का उद्देश्य विद्यालय में पदस्थ प्राचार्य, व्याख्याता, शिक्षक, कर्मचारी एवं भृत्यों को आवासीय सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि बाहर से आने वाले कर्मचारियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्यालय परिसर के लगभग पांच से छह आवासों में ऐसे लोग निवास कर रहे हैं, जो वर्तमान में एकलव्य विद्यालय में पदस्थ नहीं हैं। इसके अलावा अतिथि शिक्षकों द्वारा भी इन आवासों का उपयोग किए जाने की जानकारी सामने आई है, जबकि विद्यालय में नियमित रूप से पदस्थ कई कर्मचारियों को आवास उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। मजबूरी में उन्हें बाहर किराए के मकानों में रहना पड़ रहा है।

बताया जा रहा है कि यह स्थिति शासन द्वारा निर्धारित नियमों के विपरीत है, क्योंकि आवासीय सुविधा केवल विद्यालय में वर्तमान में पदस्थ कर्मचारियों को ही दी जानी चाहिए, न कि अन्यत्र पदस्थ या अस्थायी कर्मचारियों को।

आवासों की हालत जर्जर, मरम्मत की दरकार

एकलव्य विद्यालय परिसर में बने अधिकांश आवास काफी पुराने हो चुके हैं। मरम्मत के अभाव में लगभग सभी आवासों की स्थिति जर्जर बताई जा रही है। कई आवासों में छत से पानी टपकने और जल निकासी की गंभीर समस्या बनी हुई है।

इस संबंध में विद्यालय के प्राचार्य ने बताया कि सभी आवासों की मरम्मत कराना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए विभागीय अधिकारियों को लगातार पत्राचार किया जा रहा है। यदि शीघ्र मरम्मत संभव नहीं होती है, तो नए आवासों का निर्माण कराया जाना उचित होगा, जिससे बाहर से आने वाले कर्मचारियों को आवासीय सुविधा मिल सके।

जांच कर कार्रवाई की मांग

स्थानीय स्तर पर यह मांग जोर पकड़ रही है कि जिला प्रशासन इस पूरे मामले को गंभीरता से संज्ञान में लेते हुए त्वरित जांच कराए। यदि जांच में यह पाया जाता है कि विद्यालय परिसर के आवासों पर अनधिकृत कब्जा है, तो उन्हें तत्काल खाली कराकर पात्र कर्मचारियों को आवंटित किया जाए। साथ ही जो कर्मचारी अन्य जगह पदस्थ हैं और वे परिसर में निवास कर रहें हैं तो क्या वे कर्मचारी शासन से आवासीय भत्ता ले रहे हैं या नहीं जिसकी जांच की जाए।

इससे न केवल शासन के आदेशों का पालन सुनिश्चित होगा, बल्कि एकलव्य विद्यालय में पदस्थ कर्मचारियों एवं अधिकारियों को आवास संबंधी समस्याओं से भी राहत मिल सकेगी।

इनका कहना है

परिसर के आवासों में रह रहे अन्य कर्मचारियों से चर्चा हो चुकी है, जिन्होंने शीघ्र आवास खाली करने की सहमति दी है। विद्यालय परिसर के सभी आवास जर्जर स्थिति में हैं, जिससे कर्मचारियों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। आवासों की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक मरम्मत कराए जाने हेतु वरिष्ठ अधिकारियों को पत्राचार किया गया है।

-पूनम सिंघल, प्राचार्य,

किसानों की आय दोगुनी करना सरकार का संकल्प:मंत्री श्रीमती उईके

* ई-टोकन एवं उर्वरक वितरण प्रणाली व्यवस्था कार्यशाला में शामिल हुई।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मण्डला

मध्यप्रदेश शासन द्वारा कृषि व्यवस्था को डिजिटल, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। प्रदेश में 1 जनवरी 2026 से उर्वरक (खाद) वितरण के लिए ई-विकास प्रणाली को पूरे प्रदेश में प्रभावी रूप से लागू कर दिया गया है। इस नई व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन के लिए पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस (आर.डी. कॉलेज) मण्डला में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश की लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीमती उईके ने कहा कि किसानों की आय को दोगुना करना सरकार का संकल्प है। किसानों को खाद के लिए अब कतार में नहीं लगना पड़ेगा। ई-वितरण प्रणाली के माध्यम से जहां एक ओर बिचौलियों से छुटकारा मिलेगा वहीं दूसरी ओर उर्वरक की कालाबाजारी पर पूरी तरह लगाम लगेगी। यह डिजिटल कदम किसानों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

मंत्री श्रीमती उइके ने स्पष्ट किया कि इस प्रणाली का उद्देश्य उर्वरक वितरण को सुगम और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है। किसानों को उर्वरक प्राप्त करने के लिए एक डिजिटल टोकन जारी किया जाएगा। इस टोकन में किसान की आवश्यकतानुसार खाद की मात्रा, वितरण केंद्र का नाम, तिथि और समय का स्पष्ट उल्लेख होगा। समय और स्थान पूर्व निर्धारित होने से केंद्रों पर अनावश्यक भीड़ नहीं लगेगी।

कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जिले के उर्वरक विक्रेताओं और किसानों को इस नई तकनीक के व्यावहारिक पहलुओं से अवगत कराया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री भूपेंद्र वरकड़े, उपसंचालक कृषि श्री अश्वनी झरिया, अनुविभागीय अधिकारी कृषि मधुअली और कृषि स्थाई समिति के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के पहले मंत्री श्रीमती उइके ने वीरांगना रानी दुर्गावती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हे नमन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया तथा कार्यक्रम का संचालन अखिलेश उपाध्याय ने किया।

राज्यसभा सांसद विवेक तंखा का नारायणगंज में भव्य स्वागत

नारायणगंज नारायणगंज के मैली चौराहा में राज्यसभा सांसद विवेक तंखा का नारायणगंज ब्लॉक के कांग्रेसियों के द्वारा एवं ग्रामवासियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया एवं राज्यसभा सांसद मंडला से वापस लोटते समय कुम्हा घाट नर्मदा जी में पूजा अर्चना की एवं घाट का शिलान्यास किया गया एवं विधायक चैन सिंह बरकड़े द्वारा 5 लाख की राशि घाट के निर्माण के लिए दी गई एवं कहा गया कि भविष्य में घाट के लिए और भी राशि उपलब्ध कराई जाएगी इस कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद विवेक तंखा विधायक चैन सिंह बरकड़े जिला अध्यक्ष अशोक मसकोले मगनलाल सोनी रघुनंदन विश्वकर्मा संदीप सोनी जिला पंचायत सदस्य भूपेंद्र वरकड़े विपिन रामकुमार सोनी विपिन छत्रपाल सोनी नरेश सोनी हिरदेश साहू रितेश सोनी रुपेश अग्रवाल राजकुमार तेकाम अखिलेश मरावी दीपचंद साहू एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे आपको बता दें कि नारायणगंज क्षेत्र में कुम्हा घाट का अलग ही महत्व है यहां नर्मदा जयंती एवं मकर संक्रांति पर भव्य मेला भरता है जहां जिले के हर जनपद से लोग यहां नर्मदा मां के दर्शन को आते है यह घाट निर्माण से यहां और भी सुविधाएं भक्तों को मिलेगी।

खबर संक्षेप

पीजी कॉलेज में स्टार्ट-अप डे पर कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिवनी के स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना अंतर्गत 16 जनवरी 2026 को उद्यमिता एवं स्टार्ट-अप दिवस के अवसर पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के ओ पी जैन, डॉ रचना राय एवं महाविद्यालय की टीपीओ डॉ चंद्रकला अरमोती एवं जिला नोडल अधिकारी डॉ मान सिंह बघेल द्वारा उद्यमिता एवं स्टार्टअप की अवधारणा, उद्देश्य एवं सरकार के द्वारा दी जाने वाली विभिन्न माध्यमों से सुविधाओं का विद्यार्थियों को विस्तार से अवगत कराया गया।

जिले के लिये स्थानीय अवकाश घोषित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग भोपाल की अधिसूचना क्रमांक एम.3-2/1999/1/4 दिनांक 30 मार्च 1999 के प्रावधानों के तहत सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक-04 के नियम-08 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने वर्ष 2026 के लिए सिवनी जिले में तीन तिथियों को पूरे दिवस का स्थानीय अवकाश घोषित किया है। घोषित स्थानीय अवकाश के अनुसार 05 मार्च 2026 (गुरुवार) को भाईदूज (घुरेड़ी का दूसरा दिन), 25 सितंबर 2026 (शुक्रवार) को अनंत चतुर्दशी (गणेश विसर्जन) तथा 10 नवंबर 2026 (मंगलवार) को अन्नकूट (दीपावली का दूसरा दिन) के अवसर पर जिले में स्थानीय अवकाश रहेगा।

वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कृषि विज्ञान केंद्र, सिवनी के अंतर्गत वैज्ञानिक परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन दर्पण सभागार में ऑनलाइन माध्यम से किया गया। बैठक की अध्यक्षता जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के संचालक विस्तार सेवाएं डॉ. टी. आर. शर्मा द्वारा की गई। बैठक में डॉ. रजनीश श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अटारी जोन-9, जबलपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपसंचालक कृषि सुधीर कुमार धुर्वे एवं कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल मंचासीन रहे। बैठक का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं विश्वविद्यालय कुलगीत की प्रस्तुति के साथ किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र सिवनी के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. शेखर सिंह बघेल द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया तथा केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर उन्होंने वर्ष 2024-25 (रबी) में संपादित कार्यों की पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से जानकारी दी एवं आगामी वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित किसान हितैषी कार्यक्रमों एवं गतिविधियों पर विस्तृत परिचर्चा की गई।

एक जिला-एक उत्पाद योजना अंतर्गत सीताफल आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

जिले में एक जिला-एक उत्पाद योजना में सीताफल की उन्नत खेती तकनीक, विपणन एवं प्रसंस्करण पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुक्रवार 16 जनवरी को होटल साईं रेसीडेंसी में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग तथा मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी), जबलपुर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यशाला में तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा महत्वपूर्ण जानकारी सीताफल उत्पादक कृषकों एवं उद्यमियों को प्रदान की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार किसानों एवं छोटे उद्यमियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं। उन्होंने कृषकों एवं उद्यमियों से आग्रह किया कि वे संबंधित विभागों से सतत संपर्क कर योजनाओं की जानकारी प्राप्त करें और उनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

सांसद श्रीमती पारधी ने कहा कि छोटे-छोटे उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार निरंतर नई योजनाएं बनाकर कार्य कर रही है। कृषकों को चाहिए कि वे उन्नत तकनीकों को अपनाकर कृषि को उद्योग का स्वरूप दें। उन्होंने बताया कि एक जिला-एक उत्पाद योजना में चयनित सिवनी जिले के सीताफल को जी.आई. टैग दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे सीताफल से जुड़े किसानों एवं उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

उन्होंने सीताफल से अधिक से अधिक मूल्य संवर्धित खाद्य उत्पाद विकसित करने हेतु ठोस कार्ययोजना बनाकर उसे प्रभावी रूप से लागू करने पर जोर दिया, ताकि इस व्यवसाय से जुड़े कृषकों की आय में निरंतर वृद्धि सुनिश्चित हो सके। साथ ही उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को किसानों एवं उद्यमियों का नियमित मार्गदर्शन कर उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कहा कि जंबो सीताफल सिवनी जिले की विशिष्ट पहचान है। अपने विशेष स्वाद एवं बड़े आकार के कारण इसकी मांग प्रदेश के साथ-साथ देश के विभिन्न भागों में तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन सीताफल उत्पादक किसानों की आय बढ़ाने के लिए उत्पादन, विपणन एवं प्रसंस्करण के प्रत्येक चरण में निरंतर प्रयास कर रहा है।

कलेक्टर श्रीमती पटले ने सीताफल के पल्प से रबड़ी, आइसक्रीम, शेक सहित अन्य मूल्य संवर्धित उत्पादों की संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने एफपीओ, स्व-सहायता समूहों एवं उद्यमियों को सीताफल आधारित कोल्ड स्टोरेज एवं प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना हेतु प्रोत्साहित किया। एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक अनिल राठौर ने सीताफल की ब्रांडिंग एवं निर्यात को लेकर अपना मार्गदर्शन दिया साथ ही उद्यमियों की शंकाओं का समाधान किया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, जनपद पंचायत छपारा अध्यक्ष श्री सदम सिंह वरकड़े, , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन भी किया गया, जिसका अवलोकन कर सांसद श्रीमती पारधी एवं अन्य अतिथियों से सभी को प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के अंत में पीएमएफएमई सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया गया।

बरघाट मंडी में 372 क्विंटल धान का अवैध परिवहन करता ट्रक पकड़ाया

कृषि उपज मंडी क्षेत्र में अवैध धान परिवहन के खिलाफ मंडी प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई न केवल नियमों के पालन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह किसानों और वैध व्यापारियों के हितों की रक्षा की भावना को भी सुदृढ़ करती है।

हरिभूमि न्यूज सिवनी। यह कार्रवाई मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप की गई है, जिसके तहत अब मंडी शुल्क चोरी और अवैध कृषि उपज परिवहन पर कठोर कदम उठाए जा रहे हैं।

बरघाट मंडी में पकड़ा गया अवैध धान परिवहन

मंडी बरघाट क्षेत्र में निरीक्षण के दौरान वाहन क्रमांक क्र 70 एफटी 2653 को पकड़ा गया, जो 372 क्विंटल धान का परिवहन कर रहा था। यह कार्रवाई सहायक उप निरीक्षक निलेश कुमार टेकाम द्वारा बरघाट रोड स्थित सेलूआ के पास की गई। ट्रक को आवश्यक जांच एवं दंडात्मक कार्रवाई हेतु बरघाट मंडी प्रांगण में खड़ा कराया गया है।

मंडी बोर्ड एमडी के निर्देशों से बदली कार्यप्रणाली

मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि मंडी शुल्क चोरी और अवैध व्यापार पर अब केवल प्रशमन नहीं, बल्कि वाहन जप्त कर कृषि उपज को राजसात कर नीलामी की कार्रवाई की जाएगी। यह निर्णय ईमानदार व्यापारियों को संरक्षण और राजस्व वृद्धि की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बिछिया मंडी का प्रकरण बना मार्गदर्शक उदाहरण

इन निर्देशों के परिपालन में जबलपुर संभाग की बिछिया मंडी समिति ने हाल ही में एक सख्त एवं अनुकरणीय कार्रवाई की। वाहन क्रमांक पी 93 डीटी 9001 से लगभग 350 क्विंटल मूंगफली दाना का फर्जी दस्तावेजों के आधार पर अवैध परिवहन पकड़ा गया। न्यायालय के आदेशानुसार कृषि उपज को राजसात कर नीलामी की गई, जिससे मंडी समिति को 28 लाख रुपये मंडी शुल्क के रूप में प्राप्त हुए। इस कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश गया है कि मंडी व्यवस्था को पारदर्शी और अनुशासित बनाए रखने के लिए नियम सभी पर समान रूप से लागू होंगे। इससे वैध रूप से व्यापार करने वाले किसानों एवं व्यापारियों का विश्वास और अधिक मजबूत होगा। अब सभी की निगाहें बरघाट उपमंडी में पकड़े गए ट्रक वाहन पर हैं। मंडी क्षेत्र में यह अपेक्षा की जा रही है कि जांच पूर्ण होने के उपरांत यदि नियमों का उल्लंघन सिद्ध होता है, तो मंडी बोर्ड प्रबंध संचालक के निर्देशों के अनुरूप राजसात की कार्रवाई कर एक सकारात्मक और अनुकरणीय संदेश दिया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड के सहायक संचालक योगेश नागले ने बताया कि अवैध व्यापार पर नियंत्रण और मंडी शुल्क चोरी रोकने के लिए प्रदेश की सभी मंडियों में इसी प्रकार की कार्रवाई निरंतर की जाती रहेगी, जिससे मंडी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ एवं विश्वासयोग्य बन सके।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सिवनी। जिले के लखनादौन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कुहिया के समीप रात्रि के समय एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। अज्ञात वाहन ने एक बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिसके बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, रात के सन्नाटे में तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मारी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरा और उसकी मौत हो गई। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही लखनादौन पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया।

पुलिस ने मृतक के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया है। फिलहाल मृतक की पहचान और उसके परिजनों से संपर्क करने की प्रक्रिया जारी है। वहीं, टक्कर मारकर फरार हुए वाहन और उसके चालक की तलाश में पुलिस द्वारा आसपास के क्षेत्रों में पूछताछ की जा रही है। संभावित मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है, ताकि वाहन की पहचान की जा सके।

इस संबंध में लखनादौन थाना प्रभारी कीरत प्रसाद धुर्वे ने बताया कि कुहिया ग्राम के पास सड़क दुर्घटना की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसमें एक बाइक सवार की मौत हो गई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए दुर्घटना के कारणों की पड़ताल की जा रही है। थाना प्रभारी ने वाहन चालकों से अपील की है कि वे बाईपास और व्यस्त मार्गों पर विशेष सावधानी बरतें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें और यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। उन्होंने कहा कि लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं, जिन्हें रोका जाना आवश्यक है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद दोषी वाहन चालक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है और ग्रामीणों ने सड़क सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

लघु उद्योग विकास परिषद के जिला कार्यालय में विभिन्न मांगों को लेकर पहुंचे कार्यकर्ता

हरिभूमि न्यूज सिवनी। आज के इस चकाचौंध एवं भाग दौड़ की जिंदगी में हर एक व्यक्ति परेशान है आर्थिक मंदी केइस दौर में अपने भविष्य को लेकर आज का युवा बेरोजगार रोजगार की तलाश में भटकता रहता है ,जिसका फायदा गैर कानूनी रूप से संचालित कई कंपनियां बेरोजगारों को सुनहरे सपने दिखाकर दिन-रात इनका शोषण करती है।

इन दिनों कहीं ना कहीं युवा बेरोजगार अपने को ठगा महसूस कर रहा है, इसी तरह का एक प्रकरण जिला सिवनी के कनिष्ठा होटल छिंदवाड़ा रोड पर संचालित लघु उद्योग विकास परिषद सीडको के कार्यालय में देखने को मिला जहां जिले के सभी ब्लॉकों के गांव से कार्यकर्ता पंचायत शिक्षिका पंचायत प्रबंधक ,ब्लॉक प्रबंध क अपने काम के बदले वेतन संबंधित अन्य मांगों को लेकर पहुंचे

,कार्यालय बंद पाया गया जिसके कारण कार्यकर्ताओं में आक्रोश पाया गया, इसके पश्चात जिला के कर्मचारी जिला पर्यवेक्षक राजू कहार के द्वारा कार्यालय को खोलकर सभी कार्यकर्ताओं की बात सुनी। जानकारी में बताया गया की भर्ती करवाते समय सही बातें छुपा कर गलत एवं भ्रमिक बातें बताकर नियुक्ति की गई, जिसका विरोध आज कार्यकर्ताओं में देखने को मिला कार्यकर्ताओं का कहना है, कि 1 वर्ष बीत गया हमें वेतन नहीं दिया गया हमें वेतन चाहिए वेतन नहीं मिलने पर हम आंदोलन करने के लिए बाध्य रहेंगे ,सभी कार्यकर्ताओं ने शासन प्रशासन से अनुरोध किया है कि हमारे साथ इंसाफ कर हमें अपना मानदेय दिलवाने में हमें सहयोग प्रदान करे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना अंतर्गत सिवनी जिले की 2.64 लाख से अधिक महिलाओं को 38.54 करोड़ रुपये की सहायता राशि का अंतरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मध्यप्रदेश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन, उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सतत सुधार तथा पारिवारिक निर्णयों में उनकी भूमिका को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना का क्रियान्वयन दिनांक 05 मार्च 2023 से किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पंजीकृत एवं अंतिम रूप से पात्र महिला हितग्राहियों के आधार लिंक्ड डीबीटी इनेबल्ड बैंक खातों में प्रतिमाह आर्थिक सहायता राशि का अंतरण किया जा रहा है।

इसी क्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में महिला सशक्तिकरण अंतर्गत राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन 16 जनवरी को माखन नगर, जिला नर्मदापुरम में किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव द्वारा मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की अंतिम रूप से पात्र महिला हितग्राहियों को माह जनवरी 2026 की मासिक आर्थिक सहायता राशि का सिंगल क्लिक के माध्यम से अंतरण किया गया।

कार्यक्रम के माध्यम से सिवनी जिले में कुल 2,64,814 महिला हितग्राहियों को 1500 प्रति हितग्राही की दर से कुल 38.54 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता राशि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से जारी की गई। इस अवसर पर जिले के नगरीय क्षेत्रों के वार्डों एवं ग्रामीण क्षेत्रों की ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखा व सुना गया।

आदेगांव में सनातन धर्म का महाकुंभ 19 जनवरी को विराट हिंदू सम्मेलन

आदेगांव। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर आदेगांव में 19 जनवरी को एक बहुत बड़ा विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का आयोजन सकल हिंदू समाज आदेगांव द्वारा किया जा रहा है। इसमें आसपास के गांवों और कस्बों से हजारों लोग शामिल होंगे।

इस सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में परम पूज्य गीता मनीषी ब्रह्मचारी निर्विकल्प स्वरूप महाराज (परमहंसी आश्रम श्रीधाम गोटेगांव) उपस्थित रहेंगे। महाराज अपने सरल और प्रेरणादायक विचारों से लोगों को धर्म, संस्कृति और अच्छे संस्कारों का महत्व बताएंगे। आयोजकों का कहना है कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हिंदू समाज को एक साथ लाना, आपसी भाईचारे को बढ़ाना और नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़ना है। यह सम्मेलन समाज में अच्छे विचार, अच्छा व्यवहार और देश के प्रति जिम्मेदारी की भावना बढ़ाने का काम करेगा। कार्यक्रम को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह है। गांव-गांव में लोगों को इस आयोजन की जानकारी दी जा रही है। युवा, महिलाएं, बुजुर्ग, संत समाज और? समाजसेवी सभी इस सम्मेलन में आने की तैयारी कर रहे हैं? आयोजन स्थल पर बैठने, पीने के पानी, सफाई, स्वास्थ्य और सुरक्षा की पूरी व्यवस्था होगी। इसके साथ ही सभी लोगों के लिए भंडारा प्रसादी की भी व्यवस्था की गई है, ताकि सभी श्रद्धालु प्रेमपूर्वक भोजन ग्रहण कर सकें। सकल हिंदू समाज आदेगांव ने सभी लोगों से अपील की है कि वे अपने परिवार सहित इस सम्मेलन में जरूर शामिल हों और इस बड़े आयोजन को सफल बनाएं।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री का मना आभार

सिवनी। मध्य प्रदेश के 1.22 लाख सहायक शिक्षकों एवं उच्च श्रेणी शिक्षकों को चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान कैबिनेट द्वारा स्वीकृत किए जाने पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला सिवनी द्वारा मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के मीडिया प्रभारी बृज किशोर शर्मा द्वारा बताया गया कि चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान शिक्षकों की बहु प्रतीक्षित लंबित मांगों में से एक थी जिसके लिए मध्य प्रदेश शिक्षक संघ लंबे समय से संघर्षरत था। अपने विभिन्न ज्ञापनों के माध्यम से अनेक बार शासन के समक्ष इस मांग को प्रमुखता के साथ रखा गया।

हिंदू सम्मेलन हेतु विशाल वाहन रैली निकाली गई

सिवनी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत होने वाले नगर की प्रत्येक बस्तियों में हिंदू सम्मेलन 15 जनवरी से 1 फरवरी तक । सिवनी नगर की प्रत्येक बस्ती में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसके निमित्त आज सिवनी शहर के मठ मंदिर से एक विशाल वाहन रैली का आयोजन किया गया वाहन रैली नगर की प्रत्येक बस्तियों का स्पर्श करते हुए वापस मठ मंदिर में ही वाहन रैली का समापन हुआ।

राज्यस्तरीय कराते प्रतियोगिता हेतु दल रवाना

छपारा। 16वी मध्यप्रदेश राज्य इंडियन कराटे चैम्पियनशिप इंडिया आर्गनाइजेशन) मध्यप्रदेश स्पोर्ट्स कराते एसोसिएसन से संबंद्ध एवं मान्यता प्राप्त सेल्फडिफेस स्कूल आफ इंडियन कराते चेम्पियनशिप में स्पोर्टस कराते डेबल्पमेंट सिवनी की टीम मास्टर नारायण सिंह प्रजापति के निर्देशन में बालाघाट हेतु 12 सदस्यीय टीम शामिल होने रवाना हुई खेलप्रेमी अभिभावको व पदाधिकारियों ने शुभकामना दी।

जिला स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में कलेक्टर ने किया बाल वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन एवं उत्साहवर्धन

सिवनी, /कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय विज्ञान, गणित, पर्यावरण एवं सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन गुरुवार 15 जनवरी को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, मैरोगंज सिवनी में किया गया। प्रदर्शनी में विकासखण्ड स्तर से चयनित 123 प्रतिभागी छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान मॉडल, एकल पर्यावरण गीत, लघु नाटिका, प्रश्न मंच एवं विचार संगोष्ठी जैसी विभिन्न विधाओं में अपने-अपने मार्गदर्शी शिक्षकों के साथ सहभागिता की गई। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सहायक संचालक आर.पी. पाटिल, प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय महेश गौतम, जिला परियोजना समन्वयक महेश बघेल एवं विषय विशेषज्ञ निर्णायकों की टीम द्वारा प्रत्येक मॉडल एवं विधा का अवलोकन किया गया तथा विद्यार्थियों से उनकी उपयोगिता एवं कार्यप्रणाली की जानकारी ली गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बच्चों द्वारा बनाए गए मॉडलों एवं उनके नवाचारी प्रयासों की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्रीमती पटले ने कहा कि अपने आसपास के परिवेश एवं पर्यावरण में उत्पन्न समस्याओं को पहचानकर उनके समाधान की दिशा में सोच विकसित करना ही बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को जन्म देता है। बच्चों को अपने घर, पर्यावरण तथा दैनिक जीवन में उपयोग होने वाले उपकरणों एवं उनके कार्य सिद्धांतों की जानकारी होनी चाहिए, जिससे उनमें 'करके सीखने' की प्रवृत्ति तथा जिज्ञासा का विकास होता है। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर से प्रत्येक विधा में 02-02 विद्यार्थियों का चयन जोन स्तर की प्रतियोगिता हेतु किया जाएगा, जो जबलपुर में आयोजित प्रतियोगिता में सहभागिता करेंगे। विचार संगोष्ठी के लिए 01 छात्र एवं उनके मार्गदर्शी शिक्षक का चयन जोन स्तर हेतु किया जाएगा।

प्रायवेट बस बंद रापनि बस होगी प्रारंभ

प्रायवेट बस एसोसिएशन की बैठक में निर्णय

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मध्यप्रदेश मोटरयान नियम 1984 में संशोधन का प्रारूप जिसे राज्य सरकार मोटर अधिनियम 1984 (1988 का 59) की धारा 67,68,70,72,73 96, 107 (1 का) 107 एवं 111 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग मे लाते हुए बनाना प्रस्तावित करती है, राजपत्र के प्रकाशन के 80 दिवस का अवसान होने पर विचार किया जाएगा। इस मध्यप्रदेश के राजपत्र प्रकाशन के उपरांत अब प्रदेश सरकार मध्यप्रदेश में राज्य परिवहन निगम पुनः प्रारंभ करने का मन बना रही है जिससे प्रायवेट बस संचालकों की चिंता बढ़ गई है।

प्रायवेट बस आपरेटर एसो. के अध्यक्ष तेजबली सिंह ने बताया कि राज्य सरकार के दिशा निर्देश पर प्रायवेट बस संचालकों को पांच वर्ष के लिए बस संचालन का परमिट दिया गया है। वही हाल ही में मध्यप्रदेश के राजपत्र में राज्य परिवहन निगम की बसे प्रारंभ किये जाने की बात कही गई है, जिससे इस व्यवसाय से जुडे प्रायवेट बस संचालको की चिंता बढ रही है। तेजबली सिंह ने बताया कि बस के इस व्यवसाय से लगभग जिले में 10000 लोग जुडे है और प्रायवेट बस बंद होती है तो इतने लोग बेरोजगार हो जायेगे। इस सबंध में एसो. प्रदेश स्तर पर रोक लगाने का प्रयास कर रहा है तथा न्यायालय की शरण में जाने का मन बना रहा है।

इसी तारतम्य में अभिनंदन रेस्टोरेट में आयोजित बैठक में बस संचालको में चद्रभान सिंह ठाकुर पुष्पेन्द्र सिंह संजय नगपुरे रामायन सिंह सनोडिया सुभाष गनवानी नीलेश साहू, इब्राहिम खान, रज्जू ठाकुर पवन दिवाकर सहित अनेक लोग उपस्थित हुए तथा इस संबंध में शीघ्र बैठक आयोजित कर इस संबंध में रणनीति बनाने को लेकर चर्चा की गई।

97.72 लाख की लागत से बनने वाले पुल का राज्यमंत्री लोधी ने किया शिलान्यास

सेतु निर्माण होने से समुद्र राजा महाराज तक आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा-मंत्री श्री लोधी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने गुरुवार को छपारा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत पीपरढाना में मुख्यमंत्री अवसंरचना योजना के तहत 97.72 लाख रुपये की लागत से ठेल नदी से समुद्र राजा महाराज तक पहुँच मार्ग में बनने वाले बहुप्रतीक्षित पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। राज्य मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय अंचलों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री अवसंरचना योजना के अंतर्गत इस पुल का निर्माण क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि सेतु निर्माण से जनजातीय समाज के आराध्य देव समुद्र राजा महाराज तक

आवागमन सुगम एवं सुरक्षित होगा। यह पुल आस्था, संस्कृति और विकास को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध होगा।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने कहा कि यह पुल क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक महत्व का कार्य है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की धार्मिक आस्था और जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए किया गया यह विकास कार्य आने वाली पीढ़ियों के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने राज्य शासन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार मिलकर ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है। विधायक दिनेश राय ने कहा कि यह पुल लंबे समय से क्षेत्रवासियों की मांग थी, जिसे आज साकार किया गया है। उन्होंने कहा कि पुल निर्माण से स्थानीय निवासियों को आवागमन में सहायता होगी। विधायक श्री राय ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं शासन-प्रशासन का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मालती डेहरिया, भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती मीना बिसेन, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री सदम सिंह वरकड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

हरिभूमि

सतपुड़ा भूमि

तिरोड़ी | बोनकटा | कंटगी | बैहर | वारासिवनी | हटा

10

जबलपुर, शनिवार 17 जनवरी 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतरगत टेबल टेनिस खिलाडीयों का चयन 17 को

बालाघाट-खेलो एमपी यूथ गेम्स अंतरगत टेबल टेनिस बालक बालिका अंडर 19 खिलाडीयों का चयन 17 जनवरी को मुलना स्टेडियम बालाघाट में किया जाएगा इस संबंध में जानकारी देते हुऐ जिला टेबल टेनिस बालाघाट के अध्यक्ष इंजीनियर इकबाल मंसूरी ने कहा खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025 26 के अंतरगत यह चयन प्रक्रिया शहर के मुलना स्टेडियम में 17 जनवरी 2026 को 11.00 बजे से किया जाना है इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी खिलाड़ी 17 जनवरी सुबह 10:00 बजे तक मुलना स्टेडियम मै श्री लव पटेल नगपुरे के पास अपना रजिस्ट्रेशन करवा ले उन्होंने कहा इसअंतिम ट्रायल मे जिले के खिलाडीयों के साथ विकासखंड के खिलाडी भी जिला स्तरीय चयन ट्रायल में भाग ले सकते हैं इसके लिए खिलाड़ी मध्य प्रदेश का मूल निवासी होना चाहिए और आयु 19 वर्ष से कम होना चाहिए जिला स्तरीय चयन ट्रायल में सभी सदस्य भानु प्रताप चौधरी , तपेश असाटी, देवेंद्र सिंह चंदेल , अजय गुप्ता , श्रीमती अर्चना पाठक , रवि शर्मा , विजय गुप्ता ,श्रीमती नूरजहां, रिंकू मिश्रा, अजय यादव , अनिल शुक्ला, लव पटेल नगपुरे भी सभी खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने व चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित रहने की अपील की है जिला स्तरीय चयन के लिए जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी बालाघाट द्वारा तकनीकी समिति श्रीमती कंचन महाजन और श्री सम्यक जैन को नियुक्त किया है तथा प्रभारी अध्यक्ष जिला टेबल टेनिस बालाघाट *इंजीनियर इकबाल मंसूरी* को नियुक्त किया है चयनित बच्चों को संभाग स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु भेजा जाएगा जिला स्तरीय चयन के लिए जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी बालाघाट द्वारा तकनीकी समिति श्रीमती कंचन महाजन और श्री सम्यक जैन को नियुक्त किया है तथा प्रभारी अध्यक्ष जिला टेबल टेनिस बालाघाट *इंजीनियर इकबाल मंसूरी* को नियुक्त किया है

बैहर विकासखंड की 25 ग्राम सभा करेंगी तेंदूपत्ता संग्रहण एवं विपणन का कार्य

मध्यप्रदेश पेसा नियम 2022 के अंतर्गत बैहर विकासखंड की 10 ग्राम पंचायतों के 25 ग्रामों द्वारा वर्ष 2026 में तेंदूपत्ता संग्रहण एवं विपणन का कार्य करने का निर्णय लिया है। यही कार्य पहले वन विभाग द्वारा किया जाता था, लेकिन अब पेसा अधिनियम के अंतर्गत ग्राम सभा अपने अधिकार क्षेत्र के वनों से तेंदूपत्ता संग्रहण एवं विपणन का कार्य करेंगी। तेंदूपत्ता संग्राहकों को लाभांश की राशि का वितरण भी इन्हीं ग्राम सभाओं के माध्यम से किया जाएगा। बैहर विकासखंड की इन 25 ग्राम सभाओं द्वारा संग्रहित किये जाने वाले तेंदूपत्ता की नीलामी के लिए जनपद पंचायत बैहर द्वारा इच्छुक फर्म से 27 जनवरी 2026 तक सीलबंद निविदा आंमत्रित की गई है। ग्राम सभा द्वारा तेंदूपत्ता की न्यूनतम दर निर्धारित कर दी गई है। प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति बैहर के अंतर्गत ग्राम पंचायत परसाटोला के ग्राम परसाटोला, गोगाटोला, हीरापुर, ग्राम पंचायत गोहारा के ग्राम जल्दीदाण्ड, ग्राम पंचायत पिपरियॉ के ग्राम भैंसवाही, बन्ना एवं ग्राम पंचायत मोहबट्टा के ग्राम मोहबट्टा व बिजौरा की ग्राम सभा द्वारा तेंदूपत्ता की न्यूनतम दर 6500 रुपए प्रति मानक बोरा तय की गई है।

भालवा महिला पुरुष एवं सुसवा ग्राम शाखाओं का पुनर्गठन संपन्न

दि बुद्धिस्ट सोसायटी के सर्कल अध्यक्ष डॉ सुभाष चंद्र रंगारे, महामंत्री जी डी चौरे जी का अमूल्य योगदान

योगराज पटले- संगीता भौतेकर भालवा,जितेंद्र चौहान सुसवा अध्यक्ष मनोनीत

भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ ऑफ इंडिया माध्यम से धम्म का कारवां निरंतर गतिमान करने का कार्य निरंतर जारी है जिसके लिए राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ट्रस्टी एवं बोधिसत्व डॉ.बाबासाहेब के पौत्र डॉ.भीमराव यशवंत राव आंबेडकर साहेब के निर्देशानुसार पूरे भारत देश में धम्म कार्य गतिमान हो रहा है उसी परिपेक्ष में मप्र राज्य में डॉ.चरनदास ढेंगरे जी के कुशल नेतृत्व में धम्म संस्था के माध्यम से धम्म कार्य गतिमान हो रहा है। अशोक कुमार मेश्राम जी जिलाध्यक्ष

एवं तहसील अध्यक्ष किरनापुर के निर्देश से ग्राम शाखा भालवा महिला पुरुष,एवं सुसवा ग्राम शाखाओं का पुर्नगठन सर्कल अध्यक्ष डॉ.सुभाषचंद्र रंगारे,महामंत्री जी डी चोरे जी इन कार्यकर्ताओं द्वारा अमूल्य योगदान देकर सम्पन्न कराया गया, जिसमें दिनांक 13 जनवरी को ग्राम भालवा के पुनर्गठन मेंअध्यक्ष योगराज पटले,महामंत्री संजय भौतेकर, उपाध्यक्ष मनोज वैध,महेंद्र वैध, कोषाध्यक्ष मुकेश सोनबरसे,कार्य.सचिव प्रभुराज खोबरागड़े,सचिव अजीत रंगारे, हेमराज रंगारे,कैलाश वासनिक, लेखा परीक्षक सुरेश वैध,संगठक लालचंद मेश्राम,प्रमोद चोरे,अनंतलाल रंगारे,सुखलाल रंगारे जी एवंमहिला शाखा भालवा के अध्यक्ष संगीता भौतेकर,महामंत्री ममता वासनिक,उपाध्यक्ष कल्पना गजभिए,अनीता रंगारे, कोषाध्यक्ष संगीता वैध कार्य.सचिव दुर्गावती वासनिक,सचिव पुष्प वैध,गरिमा वैध,सरोज मेश्राम,लेखा परीक्षक लता वासनिक,संगठक बसंता वैध,अनीता बोरकर,किसनी मेश्राम,मंजू सोनवरसे तथा दिनांक 14 जनवरी को सुसवा ग्राम शाखा के पुनर्गठन में अध्यक्ष जितेंद्र चौहान, महामंत्री संजय वैध,कोषाध्यक्ष वंशीला रामटेके, उपाध्यक्ष ख़ुमेश रामटेके, सतीश भालाधारे,कार्य.सचिव मनोज मेश्राम , सचिव उम्मेद खोब्रागडे, महेंद्र रामटेके,दुर्योधन रावते, साधना चौहान,लेखा परीक्षक निशा मेश्राम,संगठक अंकेश बोरकर अरविंद चौहान विक्की खोबरागड़े दीपक मेश्राम आदि की नियुक्तिया की गई,नियुक्ति पूर्व सभी ने धम्म संस्था की सदस्यता ग्रहण कर संस्था माध्यम से किए जाने वाले धम्म कार्य को निष्ठा से करने का संकल्प लेकर सहमति पत्र दिया सर्कल के पदाधिकारी ने गठन पूर्व संगठन एवं मिशन पर सभी जानकारियां दि,इस अवसर पर,सर्कल शाखा भालवा के कोषाध्यक्ष सरोज डोंगरे,सचिव जितेंद्र डोंगरे,उक्त तीनों ग्राम पुनर्गठन समारोह में धम्म अनुयायि भारी संख्या में उपस्थित थे।

मार्च माह में गर्रा रोड एवं वारा के रेल ओव्हरब्रिज से आवागमन शुरू हो जाएगा

कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने 16 जनवरी को रेलवे, सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम श्री गोपाल सोनी भी उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेल ओव्हरब्रिज के कार्य शीघ्रता से पूर्ण किये जाए। ब्रिज पर लाईटिंग की समुचित व्यवस्था की जाये जिससे अंधेरे के कारण किसी भी तरह की दुर्घटना आदि न हो। ब्रिज के कार्य गुणवत्ता के साथ किये जाए। रेल ओव्हरब्रिज के कार्य पूर्ण नही होने से यातायात में समस्या हो रही है, अतः इस कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। गर्डर लांचिंग की समय सीमा अब नही बढायी जाएगी।

बैठक में सर्वप्रथम सरेखा रेल ओव्हरब्रिज के कार्य पर चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि इस ब्रिज की एक ओर की सर्विस रोड का कार्य एक सप्ताह में प्रारंभ कर दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने सरेखा ओव्हरब्रिज रोड के सरफेस (सतह) का कार्य संतोषजनक नही होने के कारण इस कार्य में सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ओव्हरब्रिज की दोनो ओर की सर्विस रोड का कार्य पूर्ण हो जाने पर ओव्हरब्रिज से कुछ समय के लिए ट्रैफिक डायवर्ट कर सरफेस के सुधार एवं मरम्मत का कार्य कराया जाए। उन्होंने सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में अन्य स्थानों पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज की सडक के सरफेस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। सरेखा रेल ओव्हरब्रिज पर लाईटिंग एवं हाईमास्क लाईट शीघ्र लगाने के निर्देश दिए।

गर्रा रोड पर वैनगंगा के किनारे बन रहे रेल ओव्हरब्रिज की समीक्षा के दौरान बताया गया कि कार्य स्थल पर गर्डर आ चुके है और इसके लांचिंग का कार्य 27 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा। गर्डर लांचिंग के बाद सेतु निर्माण विभाग द्वारा 10 फरवरी तक शेष कार्य को पूर्ण कर लिया जाएगा और 20 से 30 मार्च तक इस ओव्हरब्रिज से यातायात प्रारंभ कर दिया जाएगा।

वारासिवनी रोड पर वारा में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के गर्डर असेम्बल कर लिये गए है और 30 जनवरी तक गर्डर लांचिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद शेष कार्य सेतु निर्माण संभाग द्वारा किया जाएगा और 15 मार्च से इस ब्रिज से यातायात प्रारंभ हो जाएगा।

कलेक्टर श्री मीना ने भटेरा रेल ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए भटेरा रोड पर अस्थायी बस स्टैण्ड की शीघ्र व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने रेलवे एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को समन्वय कर डायवर्सन रोड का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्थायी बस स्टैण्ड प्रारंभ होने एवं डायवर्सन रोड से यातायात शुरू होने के साथ ही ओव्हरब्रिज का कार्य तेजी से आगे बढाया जाए।

बालाघाट में जागपुर घाट पर बन रहे पुल की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने इस कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और ठेकेदार को निर्देशित किया कि 30 जून तक इस कार्य को अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए, अन्यथा उनका कांट्रेक्ट निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि वे ठेकेदार के लिए इस कार्य का साप्ताहिक लक्ष्य तय करें और हर सप्ताह की प्रगति की रिपोर्ट उनके समक्ष प्रस्तुत करें। इस दौरान बताया गया कि पुल की स्लैब का अलग अलग भागो में निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और पुल के पीयर का कार्य पूर्ण होते ही स्लैब को पीयर के ऊपर असेम्बल कर लगाया जाएगा। यह कार्य 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

बैठक में रेलवे के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वारासिवनी कटंगी रोड पर शेरपार चौकी एवं अगासी में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज का कार्य मार्च 2026 में पूर्ण हो जाएगा और इनसे आवागमन शुरू हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भटेरा रेलवे क्रासिंग पर ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से भटेरा रोड के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया जाना प्रस्तावित है। इस मार्ग पर रेलवे द्वारा क्रासिंग बनाया जाना है। इस प्रस्तावित रेलवे क्रासिंग के आगे से दो पहिया वाहनों के लिए पंप हाउस गली होते हुए भटेरा रोड पर निकलने का रास्ता दिया जाएगा। जबकि हल्के चार पहिया वाहनों के लिए रेलवे क्रासिंग के आगे से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की बोदा सड़क को जोड़ा जाना प्रस्तावित है, इसके लिए 900 मीटर डब्ल्यूबीएम डायवर्सन रोड निर्माण की मंजूरी मिल गई है। भटेरा की ओर से आने वाली बसों के लिए पेट्रोल पंप के पास अस्थायी बस स्टैण्ड बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

बैठक में सेतु निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री जीपी पटले, एसडीओ श्री अर्जुन सनोडिया, गति शक्ति यूनिट रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर श्री नितिश कुमार सिंह, श्री मनीष श्रीवास्तव, श्री दीलिप बोहरे, रेलवे के अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन से बदली सहेगांव के ग्रामीणों की ज़िंदगी

जल जीवन मिशन केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अंचलों के जीवन में सकारात्मक बदलाव की मजबूत नींव साबित हो रहा है। बालाघाट जिले का दूरस्थ ग्राम सहेगाँव इस मिशन की सफलता की जीवंत मिसाल हैं, जहाँ शुद्ध पेयजल की उपलब्धता ने ग्रामीणों की दिनचर्या, स्वास्थ्य और जीवन स्तर को नई दिशा दी है।

विकासखण्ड बिरसा अंतर्गत ग्राम पंचायत गुदमा का ग्राम सहेगाँव जिला मुख्यालय से लगभग 85 किलोमीटर दूर स्थित है और यह जनजातीय बाहुल्य ग्राम है। लगभग 825 की जनसंख्या वाले इस ग्राम में अधिकांश लोग कृषि और मजदूरी पर निर्भर हैं। जल जीवन मिशन से पूर्व यहाँ पेयजल की स्थिति अत्यंत गंभीर थी। ग्रामीणों को दूर स्थित कुओं, हैंडपंपों और तालाबों से पानी लाना पड़ता था, जो न तो पर्याप्त था और न ही सुरक्षित। अशुद्ध जल के कारण उल्टी, दस्त, हैजा और बुखार जैसी जलजनित बीमारियाँ आम थीं, जिससे ग्रामीणों को स्वास्थ्य और

आर्थिक दोनों प्रकार की हानि उठानी पड़ती थी।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम सहेगाँव में 92.04 लाख रुपये की लागत से 40 केएल क्षमता का सम्पवेल निर्मित किया गया है। योजना के पूर्ण होने के बाद ग्राम में 207 नल कनेक्शन प्रदान किए गए और ग्राम को "हर घर जल" की रिपोर्टेड एवं प्रमाणीकरण की स्थिति प्राप्त हुई। आज ग्राम सहेगाँव के प्रत्येक घर में समय पर शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे न केवल बीमारियों में कमी आई है, बल्कि बच्चों की नियमित विद्यालय उपस्थिति, घरेलू एवं कृषि कार्यों में सुगमता और ग्रामीणों के जीवन में संतोष एवं खुशहाली देखने को मिल रही है।

बैहर में देखा गया लाड़ली बहना योजना की राशि अंतरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा 16 जनवरी को नर्मदापुरम संभाग के माखननगर से आयोजित लाड़ली बहना योजना अंतर्गत राशि वितरण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण कार्यालय परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास बैहर में देखा गया। इस अवसर पर विकासखंड बैहर अंतर्गत जनपद पंचायत की सभी ग्राम पंचायतों में लाड़ली बहना योजना की हितग्राहियों को कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। साथ ही नगर परिषद बैहर के चालीस मकान स्थित सामुदायिक भवन में भी बड़ी संख्या में लाड़ली बहनों ने लाइव प्रसारण देखा।

कार्यक्रम में वार्ड पार्षद श्री अजीज खान, पूर्व वार्ड पार्षद श्रीमती रजनी मनीष तिवारी, परियोजना अधिकारी श्री रामनाथ धुर्वे, पर्यवेक्षक श्रीमती आशा मेश्राम सहित कार्यालयीन स्टाफ की उपस्थिति रही। इस दौरान लाड़ली बहनों को तिल एवं गुड़ के लड्डुओं का वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त विकासखंड की अन्य ग्राम पंचायतों में लाड़ली बहनों के बीच गिल्ली डंडा, पिट्ठू सहित अन्य पारंपरिक एवं स्थानीय खेलों का आयोजन कर उत्साहपूर्वक सहभागिता कराई गई। कार्यक्रम ने महिलाओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक सहभागिता को प्रोत्साहित किया।

कृषि यंत्रीकरण, फसल विविधिकरण एवं प्राकृतिक खेती पर हुआ मंथन

रबी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न

कृषि विज्ञान केन्द्र, बड़गांव में 15 जनवरी को रबी वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. टी.आर. शर्मा, संचालक विस्तार सेवाएं, जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर ने की। वे गूगल मीट के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. रजनीष श्रीवास्तव, वरिष्ठ वैज्ञानिक, अटारी जोन-9 जबलपुर तथा डॉ. प्रमोद गुप्ता, वैज्ञानिक, ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर भी ऑनलाइन माध्यम से बैठक से जुड़े। कार्यक्रम की शुरुआत में कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एस.आर. धुवारे ने खरीफ 2025 के दौरान केन्द्र द्वारा संपादित कार्यों की समीक्षा प्रस्तुत की तथा रबी 2025-26 में प्रस्तावित गतिविधियों की जानकारी दी। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. टी.आर. शर्मा ने कहा कि कृषि क्षेत्र में श्रमिकों की कमी को देखते हुए किसानों को कृषि यंत्रीकरण को अपनाना चाहिए। सुपर सीडर, हैप्पी सीडर जैसे आधुनिक कृषि यंत्रों से समय पर बुवाई संभव है, जिससे कीट एवं रोगों में कमी आती है और उत्पादन में वृद्धि होती है। उन्होंने जिले में सोयाबीन एवं रामतिल पर प्रक्षेत्रीय परीक्षण, प्राकृतिक खेती, फसल अवशेष प्रबंधन तथा मृदा स्वास्थ्य संरक्षण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।वरिष्ठ वैज्ञानिक अटारी जोन-9 जबलपुर डॉ. रजनीष श्रीवास्तव ने ड्रैगन फ्रूट एवं सिंघाड़ा जैसी लाभकारी फसलों का क्षेत्रफल बढ़ाने, कद्दूवर्गीय सब्जियों की पौध तैयार कर किसानों को वितरित करने तथा पारंपरिक किस्मों के संरक्षण हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का सुझाव दिया। कृषि महाविद्यालय बालाघाट के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने खरीफ में अपलैण्ड भूमि पर उठी हुई क्यारियों में अरहर उत्पादन तथा राइस ट्रांसप्लांटर, सुपर सीडर एवं लेजर लेवलर जैसे कृषि यंत्रों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि इन यंत्रों के संचालन हेतु प्रशिक्षित वाहन चालकों की आवश्यकता होती है, जिसके लिए ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर द्वारा ग्रामीण युवकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।उपसंचालक कृषि बालाघाट श्री फूलसिंह मालवीय ने किसानों को सलाह दी कि नया बीज खरीदने के बाद उसका उपयोग कम से कम तीन वर्षों तक किया जाए। साथ ही अपलैण्ड भूमि पर सोयाबीन एवं रामतिल जैसी फसलों को अपनाने पर बल दिया। बैठक के पश्चात सलाहकार समिति के सदस्यों द्वारा केन्द्र में संचालित विभिन्न प्रदर्शन इकाइयों जैसे प्राकृतिक खेती, पौध उत्पादन, सब्जी उत्पादन, मशरूम, मुर्गी पालन, नाडेप, वर्मीकम्पोस्ट, नेट हाउस, कृषि यंत्र, अजोला, क्रॉप कैफेटेरिया आदि इकाइयों का भ्रमण किया गया।

जल जीवन मिशन से उमरिया के ग्रामीणों के जीवन में आयी खुशहाली

परसवाड़ा विकासखण्ड का ग्राम उमरिया जो कि जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित है, जल जीवन मिशन की सफलता का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। वर्षों से जल सकट स जूझ रह इस ग्राम म अब हर घर तक शुद्ध पेयजल की नियमित आपूर्ति हो रही है, जिससे ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री बीएल उइके ने बताया कि लगभग 926 की जनसंख्या वाले ग्राम उमरिया में पहले पेयजल के लिए ग्रामीणों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। जल जीवन मिशन के अंतर्गत दिनांक 19 जनवरी 2023 को 88.97 लाख रुपये की लागत से योजना स्वीकृत की गई। योजना के तहत 75 केएल क्षमता की पानी की टंकी का निर्माण किया गया तथा ग्राम में 221 नल कनेक्शन प्रदान किए गए। योजना के क्रियान्वयन के बाद ग्राम उमरिया के सभी निवासियो को नियमित रूप स शुद्ध पयजल उपलब्ध हो रहा है। इससे जलजनित बीमारियों में कमी आई है, समय की बचत हो रही है और ग्रामीणों के स्वास्थ्य के साथ-साथ जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। महिलाएं और बच्चे, जो पहले पानी लाने में समय व्यतीत करते थे, अब उस समय का उपयोग शिक्षा और अन्य रचनात्मक कार्यों में कर पा रहे हैं। ग्राम उमरिया सहित ग्राम सहेगाँव के ग्रामीणों ने जल जीवन मिशन के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बालाघाट (म.प्र.) के प्रति आभार व्यक्त किया है। जल जीवन मिशन ने यह सिद्ध कर दिया है कि मजबूत नीति, सटीक नियोजन और प्रभावी

क्रियान्वयन के माध्यम से ग्रामीण अंचलों की तस्वीर बदली जा सकती है। आज "हर घर जल" केवल एक संकल्प नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत की सशक्त वास्तविकता बन चुका है।

"सक्षम युवा, समर्थ भारत" थीम पर छात्रों को मिली करियर की दिशा

सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में करियर मेले का हुआ आयोजन

सांदीपनि विद्यालय (सीएम राइज) वारासिवनी में 16 जनवरी को शालेय स्तरीय करियर मेले का आयोजन किया गया। करियर मेले की थीम "सक्षम युवा, समर्थ भारत" रखी गई थी, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्राचार्य श्री हुमराज पटले की अध्यक्षता में मुख्य अतिथियों एवं शिक्षकों की उपस्थिति में मां सरस्वती के पूजन-अर्चन से किया गया। इसके पश्चात आमंत्रित अतिथियों का स्वागत कर करियर मार्गदर्शन सत्र प्रारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री दीक्षा जैन (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत वारासिवनी) उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. घनश्याम देशमुख (अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय बालाघाट), श्री विनय सुराना (उद्योगपति), डॉ. मनोज वर्मा (डायरेक्टर, इंजीनियरिंग कॉलेज, सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट), डॉ. प्रिंस वर्मा (न्यूरोसर्जन), डॉ. अभिषेक आड़े (सीनियर फिजियोथैरेपिस्ट), डॉ. उमंग बघेल (पैथोलॉजिस्ट), श्री गोरखनाथ भुरे, डॉ. विक्रम सिंह गौर सहित महाकौशल यूनिवर्सिटी जबलपुर, ए.के.एस. यूनिवर्सिटी सतना, टी.आई.टी. कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग भोपाल, बंसल ग्रुप ऑफ कॉलेज, वी.एन.एस. कॉलेज भोपाल के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को विभिन्न करियर विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी।

करियर मेले के दौरान विद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर एवं विभिन्न जानकारीपरक स्टॉल भी लगाए गए, जहाँ विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं मार्गदर्शन का लाभ लिया। विद्यार्थियों ने अपने करियर से संबंधित जिज्ञासाओं एवं शंकाओं का समाधान भी विशेषज्ञों से प्राप्त किया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सशक्त, समर्थ बनाते हुए कौशल विकास, रोजगार उन्नयन एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। करियर मेले में विद्यालय परिवार की ओर से प्राचार्य श्री हुमराज पटले ने अध्यक्षता की। कार्यक्रम का समन्वय एवं संयोजन श्री शरद सोनी (नोडल अधिकारी, करियर काउंसलिंग) द्वारा किया गया। मंच संचालन श्री प्रवीण राणा, उच्च माध्यमिक शिक्षक द्वारा किया गया।